

ANNUAL DAY PROGRAM

The Scholar School celebrated its ANNUAL DAY PROGRAM on Sunday, 16th December, 2018 amidst great zest, vibrancy and elation. Mr. Mohammad A. Abid, District Commissioner (HQ) Dept. of Revenue Delhi Govt. was the Hon'ble Chief Guest on the occasion. Prof. M. Afzal Wani, Director, University Legal Cell, Indraprasth University Delhi and Mr. Syed Sadatullah Husaini, Vice President, Jamaate Islami Hind were Guests of Honour. The principal, Ms. Mahpara Jan delivered the welcome speech.

All the programs of Annual day not only entertained the audience by humorous Qawwali on exam Phobia and different actions songs performed by Pre-Primary section but at the same time programs covered and depicted the socio-political issues and Islamic values through street play on Soch Badlo, skit on Good Habits, Mute Act on Parents' Investment and Children's Return, Tala-Al-Badr (Welcome of Prophet in Madina), Drama on Kakori Conspiracy of Ashfaqullah Khan etc. All the students displayed their fabulous performance.

Members of the school management committee such as Mr. Naufal PK - CEO Human Welfare Foundation, Dr. Habibul Rahman VM - Asst. Prof. Jamia Millia Islamia University, Mr. Salimullah Khan - Sr. Education Manager, HWF, Mr. Javed Ali and a gathering of approx. 700 people were present in this program. The program was managed by Administrator of the school, Qazi Muhammad Miyan and was conducted by Ms. Saima Akhtar. Finally the program was concluded by thankful notation of Vice- Principal, Ms. Hira Irfan. After the end of the program food stalls and Craft exhibition were also organised.



C.C.A FINALE

The students were felicitated for the activities in which they participated throughout the year such as speech competitions, Spell Bee, Collage, Poem recitation, Art and Craft, Debate etc. The students felt elated while receiving medals and certificates. The House Trophy was awarded to Blue House for overall performance in house duty, collaboration among teachers and team work.



Budding Writers



CHILDREN

- * Children are the one who never do their homework done.
- * Children are so naughty and also very talky.
- * Children are so cute, and they choose the special suit.
- * Children are so cool, and they go to school.
- * Children disturb the class and break the precious glass.
- * Children learn one to ten and they are the flowers of heaven.

Zikra Arif – 5THB



AMAZING FACTS

1. Charles Darwin ate almost every animal he discovered.
2. Ravens have larger brains as compared to other bird.
3. Facebook is blue because its CEO Mark Zuckerberg is colour blind.
4. Dolphins can talk to each other on phone and can recognise themselves in mirror too.

Shifa (6-A)

SCHOOL LIFE

- * Most irritating moments – morning Alarm
- * Most difficult tasks – to find Socks
- * Most dreadful Journey – way to class
- * Most lovely time – Meeting Friends
- * Most Tragic movements – surprise test in 1st Period
- * Most wonderful news – teacher is Absent



Jamat Nishan (VII)

JOKES



1. Biscuit wale ka letter
Dear "Marie"
Today is a "Good Day"
U have "Krack Jacked" my "little heart"
Now I am in "50-50" state of mind.
Don't break my "Eantisny"
Meet me at "Parle" junction
Please don't play "Hide n Seek"
Tumhara "Tiger".
2. Teacher: Why are you late Joseph?
Joseph" Because of a sign down the road.
Teacher: What does a sign have to do with your being late?
Joseph: The sign said, "school ahead, Go slow"!.
3. Teacher: How can we keep our school clean?
Student: By staying at home.

Nabeel Shahröz (VII)



REQUEST OF A YOUNG GIRL

Let me live
Let me fly
Don't kill me
Before my cry
Don't tease me
I am your sister
Let me be free

Don't be so harsh
Don't be so cruel
I can also be the jewel
Of your eyes
I'll be a pearl
Don't kill me
Just because I am a girl!!

Mirha Aziz (4th B)

हम हमेशा दोस्त रहेंगे



हर खुशी तकलीफ में साथ-साथ जिया करते थे,
हार हो या जीत एक दूसरे का साथ दिया करते थे,
कभी तुम हमसे कभी हम तुमसे रुठ जाया करते थे,

फिर हम तुम्हें और कभी तुम हमें मना लिया करते थे,
एक दूसरे की हम खुद से ज़्यादा परवाह किया करते थे,
दूसरों के दुख पर भी आँखों को नम किया करते थे,
यकीन नहीं होता है वक्त के साथ हालात इतने बदल जायेंगे,
हम अपनी अपनी दुनिया में इस कदर खो जायेंगे,
एक दूसरे की ज़िंदगी में सिर्फ याद बनकर रह जायेंगे,
खैर हम न तुमसे, न ज़िंदगी से कोई शिकायत करेंगे,
बस इस यकीन को हमेशा दिल में कायम रखेंगे,
जब भी दिल से पुकारोगे, तुम्हें अपने पास ही पायेंगे!

जन्त निशां कक्षा: आठवीं

खट्टी मीठी यादें

भूल ना पाएँगे हम यह कभी बातें,
हमारी कक्षा की वह खट्टी मीठी बातें।

जो दिन साथ गुजारे थे वो याद आएँगे।
उन यादों से हम अपना दिल बहलाएँगे।

जब हम थे छोटे, दिल यह चाहता था,
बनेंगे आप के जैसे दिल यह चाहता था।

ऐसे खड़े होंगे ऐसे पढ़ाएँगे,
आप ही की तरह बोलेंगे समझाएँगे।

वो चोरी छुपे खेलना, कभी बेंचेस के गोम्स,
टीचर मगर डॉटे, कर देते थे दोस्तों पर ब्लेम,
अपने सपनों में हम अब पंख लगाएँगे,
ऊँचा उड़ कर सबको दिखलाएँगे।

याद रखेंगे टीचर को उनकी बातों को,
भूल न पाएँगे उन मस्ती भरी यादों को,
उन का सपना पूरा कर हम दिखाएँगे,
इस विद्यालय में हम फिर मैम बन कर आएँगे।



आएशा तारिक कक्षा: आठवीं

इस विद्यालया का मेरा खट्टा-मीठा अनुभव

आए थे हम बनकर यहाँ अजनबी
ना था कोई दोस्त, ना थी किसी से दुश्मनी
बस साथ-साथ थी तो किताबें और बस्ते
दोस्तों के संग बीत गए पल कुछ रोते कुछ हँसते
मिला हमें सदा हमारी मेहनत का फल
इनके परिणाम नज़र आएँगे भविष्य में हमें कल
अपने खट्टे मीठे अनुभवों के संग
स्वयं पर हमें होता है अभिमान
पूछता है जब कोई, हमारे विद्यालय का नाम

अफिया, उमैना, आमन कक्षा: आठवीं

जब मैं दूसरी कक्षा में थी तब हमारे विद्यालय में 26 जनवरी का कार्यक्रम था। जिसमें मैंने भाग लिया था। मैं टमाटर बनीं थी और मुझे स्टेज पर जाकर टमाटर के ऊपर कविता प्रस्तुत करनी थी। सारे बच्चों के माँ बाप को बुलाया गया था। हमारे विद्यालय में कोई गांधी जी, डाकिया, डॉक्टर तो कोई फौजी बनकर आया था। जब मैं स्टेज पर कविता सुनाने गई तो मैं गिर गई मैं रोने लगी फिर मैम ने मुझे हँसाने के लिए कहा देखो देखो टमाटर लुढ़क रहा है। मैं रोते रोते हँसने लगी और सारे लोग भी हँसने लगे फिर मैने कविता सुनाई। जब कार्यक्रम समाप्त होने वाला था तो सबको पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा था। मुझे पहला स्थान प्राप्त हुआ था तब मैं खुशी से झूम उठी।



नाइता प्रवीण कक्षा: छठी

वह यादगार पल



हर किसे के जीवन में अच्छे और बुरे पल आते हैं। उन्हीं पलों में से एक जीवन का सबसे यादगार पल बन जाता है। आज मैं अपने जीवन के उसी सबसे यादगार पल के बारे में बताने जा रहा हूँ। इसी साल मुझे और

मेरे मित्र को एक प्रतियोगिता के लिए चुना गया, वह प्रतियोगिता न्यू होराइज़न स्कूल में थी, और हमें बताया गया कि 20 पाठशाला के बच्चे उस में भाग लेंगे, हमने उस प्रतियोगिता के लिए जी तोड़ मेहनत की और आखिर वह क्षण आ ही गया, हमने प्रतियोगिता पूरी की और हम बहुत खुश थे। अब परिणाम पता चलने वाले थे और घोषणा हुई कि मुझे और मेरे मित्र को द्वितीय पुरस्कार मिला है और हम झूम उठे और वही मेरे जीवन का सबसे यादगार पल था और वह मुझे सदैव याद रहेगा।

सिराज मुनीर (5 'अ')

हिन्दी कहानी

एक दिन.....मौत एक इंसान के पास आई
और बोली
"सुनो" आज तुम्हारे जीवन का आखिरी दिन है" !

ba ku%'मगर मैं इसके लिए तैयार नहीं हूँ !

ek6 cky l%'ब्रच्छा! "लेकिन आज तुम्हारा नाम सबसे पहला है मेरी सूची में"

ba ku%'ठीक है, तो क्यों न तुम मेरे साथ आखिरी बार चाय पी लो मुझे ले जाने से पहले ?

ek6%'ठीक है.....

उस इंसान ने मौत को चाय दी जिसमें उसने नींद की गोली मिलाई थी। मौत ने तो चाय पी ली और सो गई। उस इंसान ने वो सूची उठाई और अपना नाम सबसे पहले से हटाकर सबसे आखिर में लिख दिया। जब मौत की आँख खुली तब उसने कहा कि तुमने मुझे इतना अच्छा व्यवहार किया इसलिए मैं सूची में लिखे सबसे आखिरी नाम वाले इंसान को सबसे पहले लेकर जाऊँगा आज उसी इंसान का आखिरी दिन होगा।

f kkk%'ब्राहे! जो भी मनुष्य की तकदीर में लिखा है। वह कभी नहीं बदलता। चाहे! मनुष्य कितना भी प्रयास करले। तो खुदा कहता है "तू करता है जो तू चाहता है" "पर होता वो है जो मैं चाहता हूँ" तू कर वो जो मैं चाहता हूँ-फिर होगा वो जो तू चाहता है।

नवील शाहरोज़ कक्षा: आठवीं





میری بہترین دوست

میری بہترین اور سب سے اچھی دوست کا نام نصابہ ہے۔ وہ دل کی بہت اچھی ہے۔ تھوڑی سی پڑھائی میں تو کمزور ہے مگر محنت بھی کرتی ہے۔ وہ میرے ساتھ کھیلتی ہے، کھاتی ہے، پڑھائی کرتی ہے۔ ہم دونوں مل جل کر رہتے ہیں۔ وہ مجھے بہت اچھی لگتی ہے۔ وہ ہر کام میں میری مدد کرتی ہے۔ ہم دونوں ایک دوسرے سے فون پر بات بھی کرتے ہیں۔ وہ ہر کسی سے پیار سے بات کرتی ہے۔ وہ ہر کسی کا دل جیت لیتی ہے۔ اس کا رویہ سب کے ساتھ بہت اچھا ہے۔ وہ چشمہ لگاتی ہے کیونکہ اس کی دور کی نظر کمزور ہے۔ وہ مجھے بہت اچھی لگتی ہے کیونکہ وہ ہے ہی اتنی اچھی۔ وہ کہتی ہے کہ اسے میری تحریر، میری شکل اور میری ہر چیز بہت اچھی لگتی ہے۔ اللہ ہماری دوستی کو سلامت رکھے۔ (آمین)

زوبیہ سیفی - ششم (الف)



استاد کی جھڑکی

مشہور عباسی خلیفہ ہارون رشید کے لڑکے مامون رشید نے ایک بار پڑھنے میں غلطی کی، جس پر استاد نے جھڑکا بھی اور سزا بھی دی۔ یہ شہزادے بہت نازک مزاج اور نازوں سے پلے ہوئے تھے۔ اتفاق سے کچھ دیر بعد ہارون رشید ادھر آئے۔ مامون کو اپنے پاس بلایا، کچھ بات کی اور پھر پڑھنے کے لئے واپس بھیج دیا۔ استاد کو تشویش ہوئی کہ آج مامون نے خلافِ عادت غلطی بھی کی اور مار بھی کھائی۔ ہو سکتا ہے اس نے خلیفہ سے شکایت کی ہو۔ آخر پوچھ بیٹھے ”تم نے پڑھنے میں آج مار کھائی، کیا بادشاہ سے اس کا ذکر کیا۔“ مامون نے جواب دیا: ”آپ نے میری تعلیم اور اصلاح کے لئے سزا دی، اس میں میری بھلائی ہے، میں کیوں شکایت کروں؟“

عرش احمد - سوم (ب)

ہماری زندگی میں والدین کی اہمیت

ہماری زندگی میں والدین کی بڑی اہمیت ہے۔ اسلام میں بھی انہیں بلند مرتبہ حاصل ہے۔ والدین ہمارے لئے کتنا کچھ کرتے ہیں۔ تو ہمیں بھی ان کی خدمت، ان سے پیار، ان کا ادب کرنا چاہئے۔ ان کے ساتھ وقت گزارنا چاہئے۔ ماں، باپ ہی ہماری جنت ہیں۔ ”ماں کے قدموں کے نیچے جنت اور باپ جنت کا دروازہ ہے۔“ ہمیں ان کے ساتھ زیادہ سے زیادہ وقت گزارنا چاہئے یہ نہیں کہ بس موبائل ہی دیکھتے رہیں اور ان کو وقت نہ دیں۔ ہمیں اپنے والدین کی خدمت بھی کرنی چاہئے۔ ان کے چھوٹے چھوٹے کام کرنا چاہئے جیسے ان کا کمرہ صاف کر دینا۔ ان کے پیر دبانا، ان کو خوش رکھنا، ان کی بات ایک بار میں سننا۔ اگر ہم انہیں خوش رکھیں گے تو اللہ بھی ہم سے خوش ہوگا۔

وہ ہی ہماری ہر خواہشوں کو پورا کرتے ہیں۔ زیادہ اچھا کھانا چاہتے ہیں، پہنانا چاہتے ہیں۔ ہمیں اپنے والدین کے لئے اللہ سے دعا کرنی چاہئے کہ اللہ انہیں خوش رکھے۔ میں اللہ سے دعا کرتی ہوں کہ اے اللہ میرے ماں، باپ کو اچھا اور صحت مند رکھے۔ (آمین)



مہوش فاطمہ - ششم (الف)

مجھے ایک شعر یاد آ رہا ہے، وہ لکھ رہی ہوں۔
کسی کو گھر ملا حصے میں یا کوئی دکان آئی
میں گھر میں سب سے چھوٹی تھی میرے حصے میں ماں آئی

Activities at a Glance

The school provides a platform to exhibit the creativity and talent of the students by organising various activities like Republic Day Celebration, School exhibition which included models, projects and assignments and Fancy Dress Competition. To judge the academic excellence of students the school conducts IMO, IEO and ISO in collaboration with Science Olympiad Foundation.



Students were honoured with Gold, Silver and Bronze medals with certificates for winning in IEO, IMO, and ISO organised by SCIENCE OLYMPIAD FOUNDATION (SOF).

THE SCHOLAR SCHOOL'S TEACHERS (Ms Sabeha Mubeen & Ms. Saima Akhtar) were awarded with certificates by SCIENCE OLYMPIAD FOUNDATION (SOF).

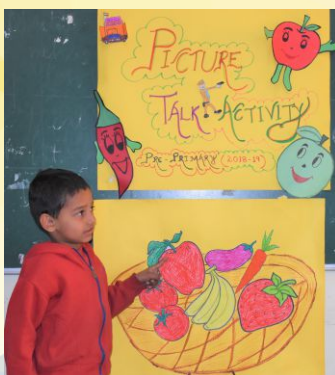
Joyous Moments

Joy, emotions and feelings are given special space to enhance the overall personality of students. For that, Picnics are organised to various venues like Aapno Ghar, Nandan Van and Adventure Island. Students expressed the sweet and sour memories of the school when class VII bid ADIEU to class VIII.



Pre-Primary wing

Many activities are planned at the end of the session for Pre-primary wing to make them more confident, expressive and active to get ready to move in the primary section of the school.



Our Achievements

Besides participating in activities, the students and teachers also participated in other activities organised by other schools, organisations and Times of India.



Certificates and Medals were awarded to students for Art and Craft Competitions organised by Max Educational Publishers.



Inter School Competition (Food Without Fire & Best Out of Waste) was organized by Sunrise Public School, where our students of class V-VIII participated in both the competitions and bagged Second Prize.



SIO Stars Festival CHIRAGH-2018 was organized by Students Islamic Organisation, where 84 students participated and 21 students won many medals and trophies in different activities.



Certificates and Medals were awarded to students for Art and Craft Competitions organised by Max Educational Publishers.



The teachers (Ms. Sabiha Mubeen, Ms. Shagufta Nemat and Ms Azra Yasmeen) also participated for Art and Craft Competitions organized by Max Educational Publisher and got certificates. Hindi In Charge Ms Shagufta Nemat was honored with a Cash Prize and Certificate as she was selected among the ten teachers for participating in Hindi pratiyogita.



1st Gautam buddha Cup Taekwondo Championship 2018 was organized by District Taekwondo Associations, where our Students participated and Achieved Gold and Silver Medals.



Inter School Competitions of Chess & Carom was organized by God's Grace School, where The Scholar School bagged First Positions in Chess both in boys & girls section. In Carom, The Scholar School Stood First in Girls section and Third in boys section.



TIMES OF INDIA organized SCHOOL SUPER LEAGUE ACTIVITY 2018-19 for students in THE SCHOLAR SCHOOL. Winner of each class got a BYJUS BAG as a gift. Two winners, Faiqa Raza and Syed Azizul Hasan were selected at junior & senior level and were given BYJUS TABLETS as gifts.

The Scholar School

Add. E-11, Abul Fazl Enclave, Jamia Nagar, New Delhi - 110025

Phone (Office): +91-11-2994 7802, Mob. (Admin): 9953 441817

Email: thescholarschool@gmail.com | Website: www.thescholarschool.net